

(27)

संख्या 1407/111 (3)/11-90(सामान्य)/95

प्रेषक,

उत्पल कुमार सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 22 मार्च, 2011

विषय:- अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजना के अन्तर्गत स्वीकृत जनपद पौड़ी के अलकन्दा नदी पर
हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय परिसर, श्रीनगर चौरास के पास मोटर सेतु के निर्माण की
पुनरीक्षित स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता (ग0क्षे0), लोक निर्माण विभाग, पौड़ी के पत्र संख्या-1303/08
सी0आर0एफ0-पर्व0/10, दिनांक 14.05.2010, आपके पत्र सं0-50/1सीआर0एफ0-2/10 दिनांक
10.1.2011 एवं अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, श्रीनगर गढ़वाल के पत्र
सं0-359/7सी दिनांक 3.2.2011 के सन्दर्भ में एवं योजना आयोग, भारत सरकार के आदेश संख्या-पी.
सी.(पी.)4/3/02-एस.पी.-यू.ए., दिनांक 28.01.2004 के क्रम में प्रश्नगत कार्य हेतु धनराशि रूपये
1381.00 लाख की स्वीकृति अनुमोदित की गयी है। जिसके सापेक्ष शासनादेश संख्या-20/लोनि
-3/05-90 (सा0)/95 दिनांक 08.02.2005 के द्वारा रू0 1171.45 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय
स्वीकृति प्रश्नगत कार्य हेतु प्रदान की गई है। उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि
मुख्य अभियन्ता (ग0क्षे0) लोक निर्माण विभाग, पौड़ी द्वारा प्रश्नगत कार्य हेतु उपलब्ध कराये गये
पुनरीक्षित आगणन धनराशि रू0 1706.90 लाख पर टी0ए0सी0 वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण
पाई गयी धनराशि रू0 1697.58 लाख (सौलह करोड़ सतानवे लाख अठावन हजार मात्र) की प्रशासीय
एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजना के अन्तर्गत स्वीकृति हेतु
अवशेष रू0 209.55 लाख के विपरीत वित्तीय वर्ष 2010-2011 में रू0 80.00 लाख (रूपये अस्सी लाख
मात्र) व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते
हैं :-

2- उक्त स्वीकृति इस शर्त के साथ दी जा रही है कि शासनादेश संख्या-20/लोनि-3/05-90
(सा0)/95 दिनांक 08.02.2005 के द्वारा रू0 1171.45 लाख को भारत सरकार के शासनादेश सं0-पी.
सी.(पी.)4/3/02-एस.पी.-यू.ए., दिनांक 28.01.2004 के द्वारा प्रश्नगत कार्य की मूल स्वीकृति रू0
1381.00 लाख जो अनुमोदित की गई है के अनुसार केन्द्रीय सड़क निधि के अन्तर्गत रू0 209.55
लाख की वृद्धि प्रदान की जाती है। उक्तानुसार पुनरीक्षित स्वीकृति में रू0 1381.00 लाख केन्द्रीय सड़क
निधि से आहरित की जायेगी तथा योजना की अवशेष धनराशि रू0 316.58 लाख (रू0 तीन करोड़
सौलह लाख अठावन हजार मात्र) की पुनरीक्षित वृद्धि उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण
उपयोग के बाद ही राज्य सेक्टर के अन्तर्गत चालू कार्य की मद से इस कार्य को पूर्ण करा लिया
जायेगा तथा अब इसके लिए कोई भी अतिरिक्त वृद्धि किन्ही कारणों से नहीं होगी। उक्त शासनादेश
उक्त अनुमन्य सीमा तक संशोधित समझा जाय। पूर्व स्वीकृत लागत के सापेक्ष यदि कोई धनराशि
आबंटन के बाद व्यय कर दी गई हो तो उस धनराशि को समायोजित करके अवशेष धनराशि ही चालू
कार्यों पर अवमुक्त की जायेगी।

- 3- उक्त स्वीकृति धनराशि का उपयोग उपरान्त प्रयुक्त की गयी कुल धनराशि का वर्षान्त भर उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं वित्तीय तथा भौतिक प्रगति का विवरण भारत सरकार/शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
- 4- उक्त धनराशि का व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, टेण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का या सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- व्यय उन्हीं मदों/योजनाओं पर किया जायेगा जिनके विरुद्ध यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनके व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता का समस्त दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का होगा।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं पूर्व स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
- 9- उक्त कार्य करते समय भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन भी किया जायेगा व्यय अनुमोदित दरों पर ही किया जायेगा, कार्य निर्धारित समय में किया जायेगा और विलम्ब के कारण लागत में वृद्धि के लिए अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे, धनराशि का आहरण एक मुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 10- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2011 तक पूर्ण उपयोग कर इसकी वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार व राज्य सरकार को उपलब्ध करा दिया जायेगा। उपयोगिता प्रमाण पत्र राज्य सरकार व भारत सरकार को प्रेषित कर अविलम्ब भारत सरकार से इसके विपरीत प्रतिपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी।
- 11- इस धनराशि का व्यय इसी योजना पर किया जायेगा और इसका व्यावर्तन किसी अन्य योजना पर नहीं किया जायेगा।
- 12- उत्तराखण्ड प्रोक्योरमेन्ट नियमावली, 2008 में उल्लिखित अनुदेशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 13- उक्त योजना पर मात्र रू० 316.58 लाख तक की सीमा तक का व्यय राज्य सेक्टर के अन्तर्गत मार्ग चालू कार्य के अन्तर्गत निर्वर्तन पर रखी गई धनराशि से आवश्यकतानुसार आपके स्तर से ही किया जायेगा।
- 14- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-2011 के आय-व्यय अनुदान संख्या-22 के लेखाशीर्षक-5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत -04 जिला तथा अन्य सड़कें-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें -01 देहरादून रिंग रोड, चमोली एवं गोपेश्वर लिंक रोड, श्रीनगर -पौड़ी का चौड़ा करना (100 प्रतिशत केन्द्र पोषित)-24 बृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 15- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा०संख्या-810/XXVII(2)/2010, दिनांक 21 मार्च, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(उत्पल कुमार सिंह)
प्रमुख सचिव ।

क्रमशः 3/-

संख्या- 1467/111 (2)/11-90(सामान्य)/95

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
2. संयुक्त सचिव, योजना आयोग (राज्य योजना प्रभाग) योजना, भवन संसद मार्ग, नई दिल्ली।
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
4. वित्त अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन।
5. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी।
6. मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल क्षेत्र, लोक निर्माण विभाग, पौड़ी।
7. निजी सचिव, मुख्य मंत्री, मा० मुख्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ हेतु।
8. अधिशासी अभियन्ता नि०ख०, लोक निर्माण विभाग, श्रीनगर।
9. वित्त अनुभाग-2 /वित्त नियोजन प्रकोष्ठ/लोक निर्माण अनुभाग-1 एवं 2, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

(उत्पल कुमार सिंह)
प्रमुख सचिव।